पत्रिका

कार्यशाला : खैरागढ़ इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय में आयोजन

पंथी सिर्फ एक लोक नृत्य नहीं है, बल्कि मानवीय भावनाओं का कलात्मक संदेश भी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

खैरागढ़. इंदिरा कला संगीत विश्वविद्यालय लोक संगीत विभाग में पंथी नृत्य पर 15 दिवसीय कार्यशाला जारी है। प्रसिद्ध पंथी नृत्यकार मोहनदास चतुर्वेदी कार्यशाला के प्रतिभागियों और विद्यार्थियों को पंथी की बारीकियां बता रहे हैं। लोक संगीत एवं कला संकाय के अधिष्ठाता डॉ. योगेन्द्र चौबे ने बताया कि दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र नागपुर (संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार) के सहयोग से जारी यह पंथी नृत्य प्रशिक्षण कार्यशाला एक बहुप्रशिक्षित कार्यक्रम है, जिसे प्रतिभागियों का सकारात्मक प्रतिसाद मिल रहा है। साथ ही प्रतिभागी लोककला पंथी के विभिन्न पहलुओं को समझ पा रहे हैं। विवि कुलसचिव प्रो. डॉ. आईडी तिवारी ने कहा कि पंथी सिर्फ एक लोक नृत्य नही, बल्कि प्रेम, करूणा, सहकार और सकारात्मकता जैसी मानवीय भावनाओं का कलात्मक संदेश है। इस कार्यशाला में पंथी को विस्तार से सीख पाएंगे। डॉ. चौबे ने आयोजन से जुड़े सभी जनों की सराहना की अपने संक्षिप्त उद्बोधन में पं प्रशिक्षक चतुर्वेदी ने पंथी के विश प्रसिद्ध कलाकार दिवंगत स्व देवदास बंजारे का, तथा उनके सान्निध्य का स्मरण किय कार्यशाला 15 जुलाई से प्रारंभ य कार्यशाला 29 जुलाई तक संगी विवि परिसर में सम्पन्न होगी।

Date: 20/07/2023, Edition: Rajnandgaon, Page: 3
Source : https://epaper.patrika.com/